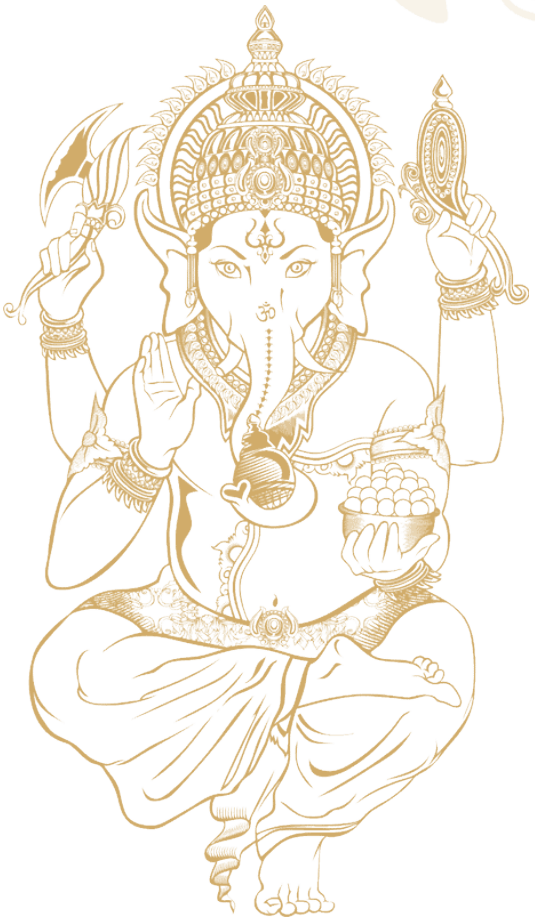

Kriti

23 Jun 1998

09:30 AM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121699202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23/06/1998**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**09:30:00 घंटे**
इष्ट	10:16:28 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:09:44 घंटे
वेलान्तर	-00:02:06 घंटे
साम्पातिक काल	03:14:14 घंटे
सूर्योदय	05:23:24 घंटे
सूर्यास्त	19:21:19 घंटे
दिनमान	13:57:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	07:40:33 मिथुन
लग्न के अंश	29:59:38 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	गण्ड
करण	शकुनि
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वे-वैशाली
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:59:38	310:13:16	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			मिथु	07:40:33	00:57:16	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	सम राशि
चंद्र			वृष	24:31:46	14:18:44	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	वृष	27:09:32	00:41:14	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	सम राशि
बुध			मिथु	22:20:08	01:54:33	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	स्वराशि
गुरु			मीन	03:14:22	00:04:40	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			वृष	04:33:50	01:11:04	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	स्वराशि
शनि			मेष	07:25:57	00:04:59	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	09:34:25	00:09:53	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	09:34:25	00:09:53	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	18:23:31	00:01:37	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:43:16	00:01:21	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	12:10:53	00:01:26	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			मेष	27:09:23	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:01

लग्न-चलित

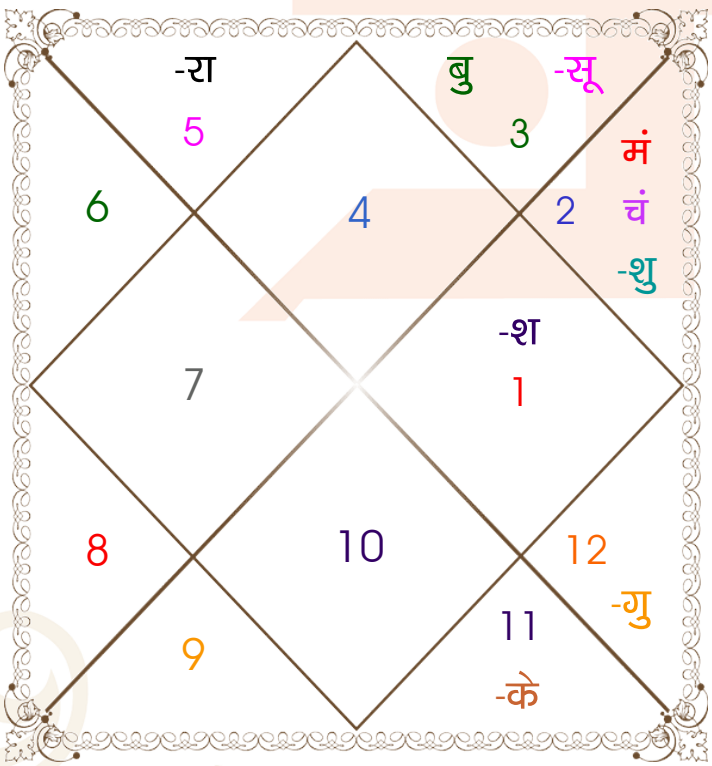

चन्द्र कुंडली

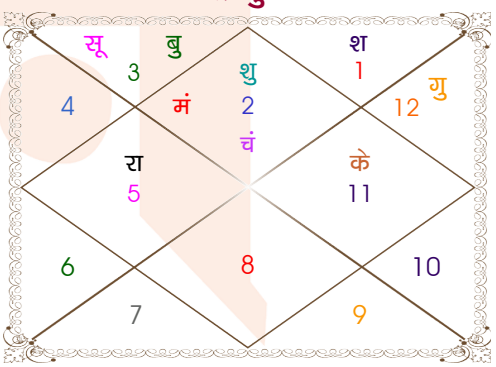

नवमांश कुंडली

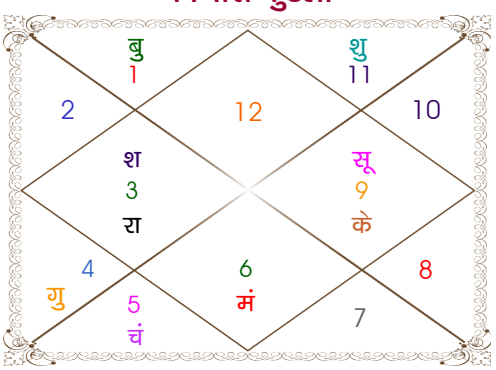

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 4 मास 14 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
23/06/1998		05/11/2004		06/11/2022		06/11/2038		06/11/2057	
05/11/2004		06/11/2022		06/11/2038		06/11/2057		06/11/2074	
	23/06/1998	राहु	19/07/2007	गुरु	24/12/2024	शनि	09/11/2041	बुध	03/04/2060
राहु	22/04/1999	गुरु	12/12/2009	शनि	07/07/2027	बुध	19/07/2044	केतु	31/03/2061
गुरु	28/03/2000	शनि	18/10/2012	बुध	12/10/2029	केतु	28/08/2045	शुक्र	30/01/2064
शनि	07/05/2001	बुध	07/05/2015	केतु	18/09/2030	शुक्र	27/10/2048	सूर्य	06/12/2064
बुध	04/05/2002	केतु	25/05/2016	शुक्र	19/05/2033	सूर्य	09/10/2049	चंद्र	07/05/2066
केतु	30/09/2002	शुक्र	26/05/2019	सूर्य	07/03/2034	चंद्र	10/05/2051	मंगल	04/05/2067
शुक्र	30/11/2003	सूर्य	18/04/2020	चंद्र	07/07/2035	मंगल	18/06/2052	राहु	21/11/2069
सूर्य	06/04/2004	चंद्र	18/10/2021	मंगल	12/06/2036	राहु	25/04/2055	गुरु	27/02/2072
चंद्र	05/11/2004	मंगल	06/11/2022	राहु	06/11/2038	गुरु	06/11/2057	शनि	06/11/2074

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/11/2074		06/11/2081		07/11/2101		07/11/2107		07/11/2117	
06/11/2081		07/11/2101		07/11/2107		07/11/2117		00/00/0000	
केतु	04/04/2075	शुक्र	07/03/2085	सूर्य	24/02/2102	चंद्र	06/09/2108	मंगल	05/04/2118
शुक्र	03/06/2076	सूर्य	07/03/2086	चंद्र	26/08/2102	मंगल	07/04/2109	राहु	24/06/2118
सूर्य	09/10/2076	चंद्र	06/11/2087	मंगल	01/01/2103	राहु	07/10/2110		00/00/0000
चंद्र	10/05/2077	मंगल	05/01/2089	राहु	25/11/2103	गुरु	06/02/2112		00/00/0000
मंगल	06/10/2077	राहु	06/01/2092	गुरु	13/09/2104	शनि	07/09/2113		00/00/0000
राहु	25/10/2078	गुरु	06/09/2094	शनि	25/08/2105	बुध	06/02/2115		00/00/0000
गुरु	01/10/2079	शनि	06/11/2097	बुध	02/07/2106	केतु	07/09/2115		00/00/0000
शनि	08/11/2080	बुध	06/09/2100	केतु	07/11/2106	शुक्र	08/05/2117		00/00/0000
बुध	06/11/2081	केतु	07/11/2101	शुक्र	07/11/2107	सूर्य	07/11/2117		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 4 मा 16 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगीं यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।